भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 499
गुरुवार, 6 फरवरी, 2025 (17 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

खजुराहो विमान पत्तन

499. श्री विष्णु दत्त शर्मा:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस तथ्य से अवगत है कि खजुराहो विमानपत्तन सीमित संपर्क के साथ चल रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार खजुराहो को जोधपुर, मुंबई और कोलकाता से उड़ानों के माध्यम से जोड़ने के लिए उपाय कर रही है, ताकि यात्रियों के आवागमन में मदद मिल सके और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो के पर्यटन विकास और पन्ना बाघ अभयारण्य के इकोटूरिज्म में भी सहायता मिल सके; और

(ग) यदि हां, ती तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): खजुराहो हवाईअड्डा वर्तमान में दिल्ली, वाराणसी और रीवा से जुड़ा हुआ है।

क्षेत्रीय संपर्क योजना-उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस उड़ान) के तहत, "दिल्ली-खजुराहो-दिल्ली" पर्यटन आरसीएस मार्ग को बोली प्रक्रिया के तीसरे दौर में प्रति सप्ताह सात (07) उड़ानों के साथ स्पाइसजेट को अवार्ड किया गया है। इसके अलावा, खजुराहो को दतिया, चित्रकूट और रीवा से जोड़ने वाले आरसीएस मार्ग फ्लाईबिग एयरलाइंस को अवार्ड किए गए हैं। रीवा से खजुराहो के लिए आरसीएस उड़ान दिनांक 25.11.2024 को शुरू हो गई है।

मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ ही भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र को नियंत्रणमुक्त कर दिया गया है। एयरलाइनें, सरकार द्वारा जारी मार्ग संवितरण दिशानिर्देशों (आरडीजी) के अनुपालन के साथ किसी भी प्रकार के विमान के साथ क्षमता बढ़ाने, अपनी इच्छानुसार किसी भी बाजार और नेटवर्क का चयन और परिचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसलिए, देश में किसी भी हवाईअड्डे से/तक हवाई सेवाएं शुरू करना एयरलाइन प्रचालक पर निर्भर है, जो उनकी परिचालन और वाणिज्यिक व्यवहार्यता पर निर्भर करता है।

******